15/4/21 पत्रावली प्रस्तुत। आज यह पत्रावली वादी के द्वारा प्रा० पत्र पेश करने पर पेशी में ली गई। वादी ने प्रा० पत्र इस आशय का पेश किया कि लोक अदालत की भावना से हमारा राजीनामा हो गया है तथा प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही नहीं करना चाहता है। वाद को दाखिल दफ्तर करने का निवेदन किया। वादी के प्रा० पत्र के आधार पर वाद-वादी इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर होकर नं० से कम हो।

[illegible]

(पवन कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
अनूपगढ़

Signature Not Verified

Digitally signed by Pawan Kumar
Date: 2021.05.03 14:21:08 IST
Reason: SelfAttested